SYLLABUS

इतिहास

अवधारणाएँ, विचार और शब्द

- भारतवर्ष
- सभा और समिति
- वर्णाश्रम
- वेदांत
- पुरुषार्थ
- रीना
- संस्कार
- यज्ञ
- गणराजा
- जनपद
- कर्म का सिद्धांत
- दंडनीति/अर्थशास्त्र/सप्तांग
- धर्मविजय
- स्तूप / चैत्य / विहार
- नागरा/द्रविड़/वेसरा
- बोधिसत्व / तीर्थंकर
- अलवर / नयनार
- श्रेणी
- भूमि-छिद्र-विधान-न्याय
- करा-भोग-भागा
- विष्टि
- स्त्रीधन
- स्मारक पत्थर
- अग्रहारस
- आइन-ए-दशसलाह
- परगना
- शाहना-ए-मंडी
- महालवारी
- हिंद स्वराज
- खिलाफत
- सुलह-ए-कुल
- तुर्कान-ए-चहलघानी
- वतन
- बलुता
- तकावी
- इक्ता
- जजिया
- ज़कात
- मदद-ए-माश
- अमरम्
- राय-रेखो
- जंगम/दशा
- मदरसा / विद्यालय
- चौथ/सरदेशमुखी
- सराय
- पॉलीगर
- जागीर / शरिया
- दस्तूर
- मनसब (रैंक)
- देशमुख
- नाडु / उर
- उलेमा
- फ़रमान
- सत्याग्रह
- स्वदेशी
- पुनरुत्थानवाद
- सांप्रदायिकता
- ओरिएंटलिज्म

- ओरिएंटल निरंकुशता
- आर्थिक राष्ट्रवाद
- भारतीय पुनर्जागरण
- आर्थिक पतन
- भूटान
- सर्वोपरि
- द्वैध शासन
- संघवाद
- हिंदू उपयोगितावाद
- निस्पंदन सिद्धांत
- फॉरवर्ड पॉलिसी
- व्यपगत का सिद्धांत
- मर्केंटीलिज़्म
- वि-औद्योगीकरण
- सहायक गठबंधन
- इंजीलवाद
- उपनिवेशवाद
- पंचशील
- मिश्रित अर्थव्यवस्था
- समाजवाद
- संहिता विधेयक
- ऐतिहासिक विधियाँ
- साहित्यिक चोरी
- इतिहास लेखन में नैतिकता और सदाचार

इकाई I

- स्रोतों पर बातचीत: पुरातात्विक स्रोत: अन्वेषण, उत्खनन, पुरालेख और मुद्राशास्त्र। पुरातात्विक स्थलों का काल निर्धारण. साहित्यिक स्रोत: स्वदेशी साहित्य: प्राथमिक और द्वितीयक: काल निर्धारण की समस्या, धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष साहित्य, मिथक, किंवदंतियाँ, आदि। विदेशी विवरण: ग्रीक, चीनी और अरबी।
- पशुपालन और खाद्य उत्पादन: नवपाषाण और ताम्रपाषाण चरण: बस्तियाँ, वितरण, उपकरण और विनिमय के पैटर्न।
- सिंधु/हड़प्पा सभ्यता: उत्पत्ति, विस्तार, प्रमुख स्थल, बस्ती स्वरूप, शिल्प विशेषज्ञता, धर्म, समाज और राजनीति, सिंधु सभ्यता का पतन, आंतरिक और बाह्य व्यापार, भारत में पहला शहरीकरण, वैदिक और उत्तर वैदिक काल; आर्यन वाद-विवाद, राजनीतिक और सामाजिक संस्थाएँ, राज्य संरचना और राज्य के सिद्धांत; वर्ण एवं सामाजिक स्तरीकरण का उदय, धार्मिक एवं दार्शनिक विचार। लौह प्रौद्योगिकी का परिचय, दक्षिण भारत के मेगालिथ।
- राज्य प्रणाली का विस्तार: महाजनपद, राजशाही और गणतांत्रिक राज्य, आर्थिक और सामाजिक विकास और छठी शताब्दी ईसा पूर्व में द्वितीय शहरीकरण का उदय; विधर्मी सम्प्रदायों का उदय - जैन धर्म, बौद्ध धर्म और आजीविक धर्म।

इकाई II

- राज्य से साम्राज्य तक: मगध का उदय, सिकंदर के अधीन यूनानी आक्रमण और उसके प्रभाव, मौर्य विस्तार, मौर्य राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था, अशोक का धम्म और उसकी प्रकृति, मौर्य साम्राज्य का पतन और विघटन, मौर्य कला और वास्तुकला, अशोक के शिलालेख: भाषा और लिपि।
- साम्राज्य का विघटन और क्षेत्रीय शक्तियों का उदय: इंडो-यूनानी, शुंग, सातवाहन, कुषाण और शक-क्षत्रप, संगम साहित्य, दक्षिण भारत में राजनीति और समाज जैसा कि संगम साहित्य में परिलक्षित होता है। दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईसवी तक व्यापार और वाणिज्य, रोमन विश्व के साथ व्यापार, महायान बौद्ध धर्म, खारवेल और जैन धर्म का उदय, मौर्योत्तर कला और वास्तुकला। गांधार, मथुरा और अमरावती स्कूल।

- गुप्त वाकाटक युग: राजनीति और समाज, कृषि अर्थव्यवस्था, भूमि अनुदान, भूमि राजस्व और भूमि अधिकार, गुप्त सिक्के, मंदिर वास्तुकला की शुरुआत, पौराणिक हिंदू धर्म का उदय, संस्कृत भाषा और साहित्य का विकास। विज्ञान प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, गणित और चिकित्सा में विकास।
- हर्ष और उसका समय: प्रशासन और धर्म।
- आंध्रदेश में सलंकायन और विष्णुकुंडिन।

इकाई III

- क्षेत्रीय राज्यों का उदय: दक्कन के राज्य: गंग, कदम्ब, पश्चिमी और पूर्वी चालुक्य, राष्ट्रकूट, कल्याणी चालुक्य, काकतीय, होयसल और यादव।
- दक्षिण भारत में राज्य: पल्लव, चेरस, कोल और पांड्य,
- पूर्वी भारत के साम्राज्य: बंगाल के पाल और सेन, कामरूप के वर्मन, ओडिशा के भौमकारा और सोमवंशी।
- पश्चिमी भारत के साम्राज्य: वल्लभी के मैत्रक और गुजरात के चालुक्य।
- उत्तर भारत में साम्राज्य: गुर्जर-प्रतिहार, कलकुरी-चेदिस, गहड़वाल और परमार।
- प्रारंभिक मध्यकालीन भारत की विशेषताएँ: प्रशासन और राजनीतिक संरचना, राजत्व का वैधीकरण।
- कृषि अर्थव्यवस्था; भूमि अनुदान, उत्पादन संबंधों में परिवर्तन; श्रेणीबद्ध भूमि अधिकार और किसानी, जल संसाधन, कराधान प्रणाली, सिक्के और मुद्रा प्रणाली;
- व्यापार और शहरीकरण: व्यापार के पैटर्न, और शहरी बस्तियाँ, बंदरगाह और व्यापार मार्ग, माल और विनिमय, व्यापार संघ; दक्षिण पूर्व एशिया में व्यापार और उपनिवेशीकरण।
- ब्राह्मणवादी धर्मों का विकास: वैष्णव और शैव धर्म; मंदिर; संरक्षण और क्षेत्रीय प्रभाव; मंदिर वास्तुकला और क्षेत्रीय शैलियाँ। दाना, तीर्थ और भक्ति, तमिल भक्ति आंदोलन - शंकर, माधव और रामानुजाचार्य।
- समाज: वर्ण, जाति और जातियों का प्रसार, महिलाओं की स्थिति; लिंग, विवाह और संपत्ति संबंध; सार्वजनिक जीवन में महिलाएँ. कृषक के रूप में जनजातियाँ और वर्ण व्यवस्था में उनका स्थान। अस्पृश्यता.
- शिक्षा और शैक्षिक संस्थान: शिक्षा के केंद्र के रूप में अग्रहार, मठ और महाविहार। क्षेत्रीय भाषाओं का विकास.
- प्रारंभिक मध्यकालीन भारत में राज्य गठन की बहसें: ए) सामंती मॉडल; बी) खंडीय मॉडल; सी) एकीकृत मॉडल
- अरब अनुबंध: सुलेमान ग़ज़नवी विजय। अलबरूनी के खाते.

इकाई IV

- मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत: पुरातात्विक, पुरालेखीय और मुद्राशास्त्रीय स्रोत, भौतिक साक्ष्य और स्मारक; इतिहास; साहित्यिक स्रोत फ़ारसी, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाएँ; खन्नाओं की सूची: फ़रमान, बहिस / पोथिस / अख़बारात; विदेशी यात्रियों के विवरण फ़ारसी और अरबी।

- राजनीतिक घटनाक्रम - दिल्ली सल्तनत - ग़ोरी, तुर्क, खिलजी, तुगलक, सैयद और लोदी। दिल्ली सल्तनत का पतन.
- मुग़ल साम्राज्य की नींव - बाबर, हुमायूँ और सूरी; अकबर से औरंगजेब तक विस्तार और समेकन। मुगल साम्राज्य का पतन.
- परवर्ती मुग़ल और मुग़ल साम्राज्य का विघटन।
- विजयनगर और बहमनी - दक्कन सल्तनत; बीजापुर, गोलकुंडा, बीदर, बरार और अहमदनगर - उत्थान, विस्तार और विघटन; पूर्वी गंगा और सूर्यवंशी गजपति।
- मराठों का उदय और शिवाजी द्वारा स्वराज की स्थापना; पेशवाओं के अधीन इसका विस्तार; मुगल-मराठा संबंध, मराठा संघ, पतन के कारण।

इकाई V

- प्रशासन और अर्थव्यवस्था: सल्तनत के अधीन प्रशासन, राज्य की प्रकृति - धर्मतंत्रीय और ईश्वरकेंद्रित, केंद्रीय, प्रांतीय और स्थानीय प्रशासन, उत्तराधिकार का कानून।
- शेरशाह के प्रशासनिक सुधार; मुगल प्रशासन केंद्रीय, प्रांतीय और स्थानीय: मनसबदारी और जागीरदारी प्रणालियाँ।
- दक्कन में प्रशासनिक व्यवस्था - विजयनगर राज्य और राजनीति, बहमनी प्रशासनिक व्यवस्था; मराठा प्रशासन - अस्त प्रधान।
- दिल्ली सल्तनत और मुगलों के अधीन सीमांत नीतियाँ।
- सल्तनत और मुगलों के दौरान अंतर-राज्यीय संबंध।
- कृषि उत्पादन एवं सिंचाई प्रणाली, ग्राम अर्थव्यवस्था, किसानी, अनुदान एवं कृषि ऋण, शहरीकरण एवं जनसांख्यिकी संरचना।
- उद्योग सूती वस्त्र, हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, संगठन, कारखाने और प्रौद्योगिकी।
- व्यापार और वाणिज्य - राज्य की नीतियां, आंतरिक और बाहरी व्यापार: यूरोपीय व्यापार, व्यापार केंद्र और बंदरगाह, परिवहन और संचार।
- हुंडी (विनिमय पत्र) और बीमा, राज्य आय और व्यय, मुद्रा, टकसाल प्रणाली; अकाल और किसान विद्रोह.

इकाई VI

- समाज और संस्कृति: सामाजिक संगठन और सामाजिक संरचना।
- सूफी - उनके आदेश, विश्वास और प्रथाएं, प्रमुख सूफी संत, सामाजिक समन्वय।
- भक्ति आंदोलन शैव धर्म; वैष्णववाद, शाक्तवाद.
- मध्यकालीन काल के संत - उत्तर और दक्षिण - सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक जीवन पर उनका प्रभाव - मध्यकालीन भारत की महिला संत।
- सिख आंदोलन - गुरु नानक देव: उनकी शिक्षाएं और अभ्यास, आदि ग्रंथ; खालसा.

- सामाजिक वर्गीकरण: शासक वर्ग, प्रमुख धार्मिक समूह, उलेमा, व्यापारिक और पेशेवर वर्ग - राजपूत समाज।
- ग्रामीण समाज - छोटे सरदार, ग्राम अधिकारी, कृषक और गैर-कृषक वर्ग, कारीगर।
- महिलाओं की स्थिति जनाना प्रथा देवदासी प्रथा।
- शिक्षा का विकास, शिक्षा एवं पाठ्यक्रम केंद्र, मदरसा शिक्षा।
- ललित कला - चित्रकला के प्रमुख विद्यालय - मुगल, राजस्थानी, पहाड़ी, गढ़वाली; संगीत का विकास.
- कला और वास्तुकला, इंडो-इस्लामिक वास्तुकला, मुगल वास्तुकला, क्षेत्रीय शैलियाँ।
- इंडो-अरबी वास्तुकला, मुगल उद्यान, मराठा किले, तीर्थस्थल और मंदिर।

इकाई VII

- आधुनिक भारतीय इतिहास के स्रोत: अभिलेखीय सामग्रियाँ, आत्मकथाएँ और संस्मरण, समाचार पत्र, मौखिक साक्ष्य, रचनात्मक साहित्य और चित्रकला, स्मारक, सिक्के।
- ब्रिटिश शक्ति का उदय: 16वीं से 18वीं शताब्दी में भारत में यूरोपीय व्यापारी - पुर्तगाली, डच, फ्रांसीसी और ब्रिटिश।
- भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व की स्थापना और विस्तार।
- प्रमुख भारतीय राज्यों - बंगाल, अवध, हैदराबाद, मैसूर, कर्नाटक और पंजाब के साथ ब्रिटिश संबंध।
- 1857 का विद्रोह, कारण, प्रकृति और प्रभाव।
- कंपनी और क्राउन का प्रशासन; ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन केंद्रीय और प्रांतीय संरचना का विकास।
- कंपनी के अधीन सर्वोच्चता, सिविल सेवा, न्यायपालिका, पुलिस और सेना; ब्रिटिश नीति और क्राउन के अधीन रियासतों में सर्वोच्चता।
- स्थानीय स्वशासन।
- संवैधानिक परिवर्तन, 1909 1935.

इकाई VIII

- औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था: व्यापार की बदलती संरचना, मात्रा और दिशा।
- कृषि, भूमि अधिकार, भूमि बंदोबस्त, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, भूमिहीन श्रम, सिंचाई और नहर प्रणाली का विस्तार और व्यावसायीकरण।
- उद्योगों का पतन कारीगरों की बदलती सामाजिक-आर्थिक स्थिति; विशहरीकरण; आर्थिक नाला; विश्व युद्ध और अर्थव्यवस्था.
- ब्रिटिश औद्योगिक नीति; प्रमुख आधुनिक उद्योग; कारखाना कानून की प्रकृति; श्रम एवं ट्रेड यूनियन आंदोलन।

- मौद्रिक नीति, बैंकिंग, मुद्रा और विनिमय, रेलवे और सड़क परिवहन, संचार - पोस्ट और टेलीग्राफ।
- नये शहरी केन्द्रों का विकास; नगर नियोजन और वास्तुकला की नई विशेषताएं, शहरी समाज और शहरी समस्याएं।
- अकाल, महामारी और सरकारी नीति। जनजातीय और किसान आंदोलन.
- परिवर्तन में भारतीय समाज: ईसाई धर्म के साथ संपर्क - मिशन और मिशनरी; भारतीय सामाजिक और आर्थिक प्रथाओं और धार्मिक मान्यताओं की आलोचना; शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियाँ।
- नई शिक्षा - सरकारी नीति; स्तर और सामग्री; अंग्रेजी भाषा; विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा का विकास - आधुनिकता की ओर।
- भारतीय पुनर्जागरण सामाजिक-धार्मिक सुधार; मध्यम वर्ग का उदय; जाति संघ और जाति गतिशीलता।
- महिलाओं का प्रश्न राष्ट्रवादी विमर्श; महिला संगठन; महिलाओं, लिंग पहचान और संवैधानिक स्थिति से संबंधित ब्रिटिश कानून।
- प्रिंटिंग प्रेस - पत्रकारिता गतिविधि और जनमत।
- भारतीय भाषाओं और साहित्यिक रूपों का आधुनिकीकरण चित्रकला, संगीत और प्रदर्शन कलाओं में पुनर्रचना।

इकाई IX

- भारतीय राष्ट्रवाद का उदय: राष्ट्रवाद का सामाजिक और आर्थिक आधार।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म; भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की विचारधाराएँ और कार्यक्रम, 1885-1920: प्रारंभिक राष्ट्रवादी, मुखर राष्ट्रवादी और क्रांतिकारी।
- स्वदेशी और स्वराज।
- गांधीवादी जन आंदोलन; सुभाष चंद्र बोस और आईएनए; राष्ट्रीय आंदोलन में मध्यम वर्ग की भूमिका; राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी।
- वामपंथी राजनीति.
- दलित वर्ग आंदोलन.
- सांप्रदायिक राजनीति; मुस्लिम लीग और पाकिस्तान की उत्पत्ति।
- स्वतंत्रता एवं विभाजन की ओर।
- स्वतंत्रता के बाद का भारत: विभाजन की चुनौतियाँ; भारतीय रियासतों का एकीकरण; कश्मीर, हैदराबाद और जूनागढ़।
- बी.आर. अम्बेडकर भारतीय संविधान का निर्माण, इसकी विशेषताएँ।
- नौकरशाही की संरचना।
- नई शिक्षा नीति।

- आर्थिक नीतियां और योजना प्रक्रिया; विकास, विस्थापन और जनजातीय मुद्दे।
- राज्यों का भाषाई पुनर्गठन; केन्द्र-राज्य संबंध।
- विदेश नीति पहल पंचशील; भारतीय राजनीति की गतिशीलता-आपातकाल; भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण।

इकाई X

- ऐतिहासिक विधि, अनुसंधान, कार्यप्रणाली और इतिहासलेखन:
- इतिहास का दायरा और महत्व
- इतिहास में वस्तुनिष्ठता और पूर्वाग्रह
- ह्यूरिस्टिक्स ऑपरेशन, इतिहास में आलोचना, संश्लेषण और प्रस्तुति
- इतिहास और इसके सहायक विज्ञान
- विज्ञान, कला या सामाजिक विज्ञान का इतिहास
- इतिहास में कारण और कल्पना
- क्षेत्रीय इतिहास का महत्व
- भारतीय इतिहास की नवीनतम प्रवृत्तियाँ
- अनुसंधान क्रियाविधि
- इतिहास में परिकल्पना
- प्रस्तावित अनुसंधान का क्षेत्र
- स्रोत डेटा संग्रह, प्राथमिक / द्वितीयक, मूल और पारगमन स्रोत
- ऐतिहासिक शोध में रुझान
- नवीनतम भारतीय इतिहासलेखन
- इतिहास में विषय का चयन
- नोट्स लेना, संदर्भ, फुटनोट और ग्रंथ सूची
- थीसिस और असाइनमेंट लेखन
- साहित्यिक चोरी, बौद्धिक बेईमानी और इतिहास लेखन
- ऐतिहासिक लेखन की शुरुआत ग्रीक, रोमन और चर्च
- इतिहासलेखन
- पुनर्जागरण और इतिहास लेखन पर इसका प्रभाव
- ऐतिहासिक लेखन के नकारात्मक और सकारात्मक स्कूल
- इतिहास लेखन में बर्लिन क्रांति - वॉन रांके
- इतिहास का मार्क्सवादी दर्शन वैज्ञानिक भौतिकवाद
- इतिहास का चक्रीय सिद्धांत ओसवाल्ड स्पेंगलर
- चुनौती और प्रतिक्रिया सिद्धांत अर्नोल्ड जोसेफ टॉयनबी
- इतिहास में उत्तर-आधुनिकतावाद